



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 273]
No. 273]

नई दिल्ली, मंगलवार, जून 28, 1994/असाढ़ 7, 1916
NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 28, 1994/ASADHA 7, 1916

संचार मंत्रालय
(दूर संचार विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 जून, 1994

सा.का.नि. 543(अ).—केन्द्रीय सरकार, भारतीय तार अधिनियम, 1885 (1885 का 13) की धारा 7 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय तार नियम, 1951 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1.(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय तार (द्वितीय संशोधन) नियम, 1994 है।

(2) ये 1 दिसम्बर, 1992 से प्रवृत्त हुए समझे जाएंगे।

2. भारतीय तार नियम, 1951 के (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) नियम 446 के उप नियम (2) के पश्चात् निम्नलिखित उप नियम जोड़ा जाएगा, अर्थात्:—

“(3) यदि विभागीय कारणों से सेवा में निरन्तर व्यवधान 14 दिन से अधिक बना रहता है तो किराए में पूरे एक मास का रिबेट इस उपबंध के अधीन रहते हुए अनुज्ञात किया जाएगा कि दूसरी बार व्यवधान उत्पन्न होने पर किसी रिबेट के लिए पात्रता उस तारीख के बाद के 30वें दिन से प्रारम्भ होगी। जिसके लिए प्रथम व्यवधान के कारण रिबेट की पात्रता

है। रिबेट की अवधि के अनुपात में निःशुल्क कॉल कम की जा सकती है।”

[सं. 2-29/89 पी.एच.ए.]

जी.एस.एस. भूति,
वरिष्ठ उपमहानिदेशक (सी.एस.) एवम्
पदेन अपर सचिव, भारत सरकार

स्पष्टीकारक ज्ञापन

1 दिसम्बर, 1992 से उपर्युक्त नियमों के प्रभाव में आने के परिणाम स्वरूप किसी भी व्यक्ति पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। वास्तव में इन नियमों का उद्देश्य उपभोक्ताओं को 1 दिसम्बर, 1992 से लाभ देने का है।

पाद टिप्पणी: 1/9/1984 तक यथा संशोधित मुख्य नियमों को डाकतार नियमावली खण्ड-1, विधायी अधिनियम, भाग-II, के छठे संस्करण में प्रकाशित किया जा चुका है, बाद में इन नियमों में निम्नानुसार संशोधन किया गया है:—

1. दिनांक 27-4-85 का सा.का.नि. संख्या 428
2. दिनांक 8-8-85 का सा.का.नि. संख्या 728
3. दिनांक 19-10-85 का सा.का.नि. संख्या 982
4. दिनांक 27-3-86 का सा.का.नि. संख्या 553
5. दिनांक 27-4-86 का सा.का.नि. संख्या 314

6. दिनांक 17-5-86 का सा.का.नि. संख्या 356
7. दिनांक 28-11-86 का सा.का.नि. संख्या 1237 (ई)
8. दिनांक 9-4-87 का सा.का.नि. संख्या 377(ई)
9. दिनांक 5-10-87 का सा.का.नि. संख्या 837 (ई)
10. दिनांक 27-7-87 का सा.का.नि. संख्या 674(ई)
11. दिनांक 17-12-87 का सा.का.नि. संख्या 989(ई)
12. दिनांक 11-3-88 का सा.का.नि. संख्या 337(ई)
13. दिनांक 10-6-88 का सा.का.नि. संख्या 693(ई)
14. दिनांक 15-6-90 का सा.का.नि. संख्या 574(ई)

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(Department of Telecom)

NOTIFICATION

New Delhi, the 27th June, 1994

G.S.R. 543(E).—In exercise of the powers conferred by Section 7 of the Indian Telegraph Act, 1885 (13 of 1885), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Indian Telegraph Rules, 1951, namely:—

1. (1) These rules may be called the Indian Telegraph (Second Amendment) Rules, 1994.

(2) They shall be deemed to have come into force from the 1st December, 1992.

2. In the Indian Telegraph Rules, 1951 (hereinafter referred to as the said rules) in rule 446 after sub-rule (2) following sub-rule shall be added namely :—

“(3) If there is a continuous interruption of service for more than 14 days due to departmental reasons, rebate in rental for one full month shall be allowed subject to the proviso that eligibility for any rebate for a second interruption starts from the date succeeding the 30th

day for which rebate has become eligible due to the first interruption. Free calls may be reduced proportionate to the period of rebate.”

[No. 2--29/89 PHA]

G. S. S. MURTHY,

Sr. Deputy Director General (CS)
Ex-officio Addl. Secretary to the Govt. of India.

EXPLANATORY MEMORANDUM

No one shall be adversely affected as a result of the above rules being given effect from the 1st December, 1992. In fact, these rules aim at providing benefit to consumers from 1st December, 1992.

Foot Note 1 : The principal rules, as amended upto 1-9-1984, have been published in the P&T Manual, Volume I, Legislative Enactments, Part II, Sixth Edition, these have been subsequently amended as under :

1. G.S.R. No. 428 dt. 27-04-1985.
2. G.S.R. No. 728 dt. 08-08-1985.
3. G.S.R. No. 982 dt. 19-10-1985
4. G.S.R. No. 553 dt. 27-03-1986
5. G.S.R. No. 314 dt. 27-04-1986
6. G.S.R. No. 356 dt. 17-05-1986
7. G.S.R. No. 1237[E] dt. 28-11-1986.
8. G.S.R. No. 377[E] dt. 09-04-1987.
9. G.S.R. No. 837[E] dt. 05-10-1987.
10. G.S.R. No. 674[E] dt. 27-07-1987.
11. G.S.R. No. 989[E] dt. 17-12-1987.
12. G.S.R. No. 337[E] dt. 11-03-1988.
13. G.S.R. No. 693[E] dt. 10-06-1988.
14. G.S.R. No. 574[E] dt. 15-06-1990.